समाप्ति :—

विशेष :—

॥ऐं०॥ श्रीगुणेशायनमः॥ जेबेलाईडोलगनवते
तोफूइ तेप्रथमपाटलोउपरमांडिए॥ कुंभलीसीडिए प
छेअनुक्रमि॥१॥ लगनमांडिए॥ आगलिषंननीत्रिणढग
लीकरावीए॥ तेपाषतीआपारीमुकावीए॥ पछेलोषी
इणमंत्रमांत्रीए॥ ॐनमोरक्तियाकालोसरव॥ चोसठिजो
गणि॥ जलदेवि॥ थलदेवि॥ आकाशदेवि॥ पातालदेवि
पुरवडूपिलर॥ शाकनीडाकनी॥ सिंहारी॥ भुतप्रेत
दिष्टदोष॥ वेनरपिशाचराक्षस॥ झोटिंग॥ डिकोडदोष
हूइतेमुष्टिमध्येअवतरय२स्वाहा॥ श्रीनारसिंघनी
आज्ञाफुर॥ वार७मंत्री॥ लीनाजावापाग्रानीलो
पारीलेइनेचार ७ स्नानमंत्री॥ आंकउपरिमुकीये
तेदनोउपचार॥ ॥२॥ मेषलगनेशाकनीदोषपेत्रपाल
दोष ठे॥ तेनालक्षण॥ पेटपीडा॥ मोडेकलेण॥ भुषथो

मि॥ पेटे अपच आफरे॥ मुषरोग॥ जहेगउपजे॥ शांतान कष्ट॥ मरो को आसो॥ पात्रलंग॥ नेत्रहूषे॥ मी
टफेरे॥ जंजालनपडे॥ वीतानपडै॥ आलस बगाइ॥ मीलसुकतां जाये॥ सुइरदेवानो मन
अंषे बलण॥ पाणी आवे॥ होवसुकाये॥ तेनो उपचार॥ लेषण दीवाली इयमी दीव तीणदुंगा
कनी कंदको दालयंत्र लिषवो॥ अने षेत्रपालनी मुर्ति मंक्रियेहोम करवो॥ नगनमुड़ाये॥ को
पहु गजसवा॥ १॥ श्रीफल॥ १॥ तेलपावछ॥ घृत सेर ध॥ दही॥ इ॥ षांड॥ षोपरा॥ जव॥ मिरी॥ ल
वंग॥ एलची॥ २१॥ जाप कांचली॥ हणमंत मली॥ धतुरा नापांने प्रमुष होम॥ ज्ञाते गोऊनोअ
टानापुतला॥ १॥ करी पइसा॥ १॥ फुल मुंष मांथाती॥ रोकातिक्रूप मेनां षियो॥ घर आवी गुरुने
जीमाभीए॥ जे कांइ हृषष्टु दोषवे ते॥ गुरु पासे कोमानेन षावीए॥ प्रमाद्धि सुष थाये॥ २॥ इषलग
ने॥ पुरवजम ब्राह्मणकोनिकुं नेपगपन्या तेना लक्षण॥ वेगद्यपदिनेदं ध्यायपमंय॥ पाहि
रोग॥ तिरसघणी॥ सुषनहीं॥ पेडपीडा॥ माथादि षक्षोय॥ देही दाके॥ वायकलण॥ आषदाके
रुदन करे॥ कुष्ट रोग॥ गोरुहा चजी वेहो हिता॥ अंग नारी॥ सुवानामन॥ निद्रा आलस घणी (?)
सी घणी॥ आलजंजाल मेने जी वयकेो॥ बलणघणी॥ नीलमां॥ केसी यत्कि नदि॥ उमार दतो
नमादउपजे॥ तेनो उपचार॥ वाक्रिया वेतानाकाम॥ तेना जमनी लेषण करवी॥ द

१

सालीयेघसीहोवेतो। अष्टगंधकरीनेगलोकेशरादि घमुषनपंचागुलीआनि।। आकनिकंदकुदाल
यंत्रलिषिए।। मध्यरात्रे अमेरालो वस्त्रपेहरी बेंजिषीए।। होमकरणे।। कापसीगज।१।। नालेर।१।। सो
पारी।२।। नैवद्य।। घृततेलफुलफलइलायचीकोरली।। होमंतमली।। लवंग।। पान।। सोमा।। लुण।। आबु
हरमे।। कोरीहमली सुइ।२।। एसानहोमकरीये।। पछी अफदना आटानापुतला।२।। करीये।। एक
फुलने।। एकपइसो।। पुतलानामुषमें घालीइ।। पुतला।२।। यंत्रपरि उवारीए।। पछे धुपदेइ गलेबां
धिए।। पुतला नगन करी होसी मांघातीये।। आजायदोगामीयो सुषथाय।। २।। मिथुनलगने
पितरदोषतनमध्येशाकनीदोषः।। तेनालषणः।। नेत्रपीडा।। अंगलारि अंगुली।। अंगुठा
कोले।। अष्टांगदुषेथधरहे।। सुवोनामनथाए।। आलसबगाडे।। षाघस्वाद।। करकामोहं
षां हुवे।। पेटनी चितारहे।। फुबकीनुठे।। आलेजेजालदेषे।। रीव थएणीउपजे।। क्रोधमे बोले।। तुषथे
डि।। थफिएकमेलागुं।। घनिएकमेतुमे।। पेटमेगमबाजे।। तेनाउपचार।। स्वेता अर्कनीलषण।। दी
वालीनीरात।। तिणस्युं अष्टगंधकथी कृष्णपक्षत्रयोदशीनीमुर्ते लिषि मध्यरात्रे स्वेतवस्त्रपरीहस्त।। एक
पटोप्रतिया।। तथा सेणीयोपेहरीय।। अकलबेरनीलोकरवा लीइ जापजपीए।। इष्ठ।। आगर।। पइसा
२।। श्रीफल।१।। सोपारी।२।। लवंगरपा।। एलची।२।। जायफल।१।। [illegible] रायमोसा।१०८ पान

१० ॥ तेलसवासेर १॥ घृतपवासेर॥ तिलयावउपाको॥ लुण आबुसेर १॥ लोह सुइ २ खरव॥ शाकनी
मंत्रजल्लेणीहोमकरणो॥ पलातपुतला १ आटानाकरी॥ तेनामुषमध्येपइसो॥ फुलेर घातिए यं
त्रउपरफेरवी॥ पुतलाएकोतिमुकिए पछेयंत्रनेधुप॥ अगरलोबानकिंदरु॥ प्रमुषधुपषेवीये क
ष्टि बांधिए॥ सुषेनवंति॥ ४॥ कर्कलग्नेनंशाकीनिदोष:॥ किंचितपुरवजमंनता॥ आवमस्तउदर
अंगनारि॥ पेटहाथपगनेत्रपीड़ा॥ पनीरस्यानेमन॥ आलस्याबगासीघणी॥ थषघणी॥ कलनलो
ष॥ पोष फेरा॥ उकारी॥ आफरा॥ पुरषस्तु जाहवि॥ चंतानचिंता॥ अग्नारी॥ मुषमजलरहे॥ फ
बकीनवे॥ जंजालमंपडे॥ एलक्षणजाणवा॥ तेनो उपचार:॥ दीवालीनीयमीरस्तांजणीनीलेष
ण॥ तेदसुतेोयाव्यागनीनोयंत्र॥ अनेनारयोग्रवीरनोचरुय॥ अष्टगंधकरुलिषीये॥ मध्य
रात्रनीजवर्णवस्त्रपहेरी॥ काफुरो गुजरावादा २॥ श्रीफल १॥ सोपारी २॥ हरने ७॥ पान २॥ परप
कावली॥ श्वेतवस्त्र॥ एकपटोलीतियोहाथ ७॥ तथाखिरणीयो॥ राइ॥ मधु॥ मीरचपाव ३॥ जा
यफल २॥ दणमेतमाली॥ लोह॥ तेलस्तवासेर॥ घृतपवासेर॥ धानपवासेर॥ गोलपवासेर॥
साकरपासेर॥ निवछालपडी॥ पांचानदोम॥ चंपुके॥ पलाते॥ पुतला १॥ आटानाकर
णा॥ तेनामुषमध्येपइसो १ घातिय॥ पत्रउपरफेरीये॥ यंत्रउपरिकोडिबांधीये॥ पुरवज
पुजाकरवी॥ ५॥ सिंहलग्नेपलीदोष:॥ जलाश्रयपितरदोष:॥ किंचितमानता:॥ तेनालक्षण

अंगभारी ॥ ज्वर ॥ नेत्रबलण ॥ पेटपीडा ॥ अष्टांगदूखे ॥ सुन्यकार ॥ हियेभार ॥ मांथेचिसका ॥ तालुयेग
ब ॥ यतानकष्ट ॥ मुखमीठे जणाये ॥ नूषनहीं ॥ गुस्सेपीड ॥ जेजालदेषे ॥ उचाटघणो ॥ उकारीबगासे
उपघणी ॥ सुइरदेवानोमन ॥ सुतांपाबी ॥ डीलभारी ॥ कांमचेष्टानसुहावे ॥ उचाटघणो ॥ मरक
टनादाकसुं ॥ अष्टगंधकू ॥ पचांगुलीमंत्र ॥ कटकोणयंत्रमध्यरात्रेनगनथइनेलिखवो ॥ का
पमोगजे २ ॥ श्रीफल २ ॥ सोपारी २ ॥ नेलेखेर २ ॥ घृतसेर २ ॥ पांन २ ॥ लवंग २ ॥ दरमेइ ॥ एलचीक्रो
का २ ॥ जायफल २ ॥ तेलपाकोपाव १ ॥ सोपरामेर १ ॥ डांगमेर १ ॥ मीरीपाव १ ॥ अगरटाक ॥ लोबा
नटंक ॥ कंदरुटांक ॥ दाषसेर ॥ षरपकोचली ॥ हणमतमली ॥ कललीयो १ ॥ सवाशेरनोतेलमां
थे ॥ परवघालीहोमकरणो ॥ एकांतरयांनके ॥ पाबाफिरीजोवेनहीं ॥ पश्चातसुखंभवति ॥ ६
॥ कन्यालगनेः ॥ षेत्रपालपुरबजनीमांनताः ॥ शाकनदोषः ॥ तस्यलक्षणः ॥ शूलपेटपीडा ॥ अं
षमीट ॥ पाक्किकले ॥ सुषनहीं ॥ रोगनपजे ॥ पेतनकष्ट ॥ अंगभारी ॥ बगासीउकारी ॥ तालुतब
ले ॥ अष्टांगदूखे ॥ वायुतोजोरो ॥ रक्तविकार ॥ अंगदाजे ॥ षारुषाटदचे ॥ नमलश्रावइ ॥ उचा
टउपजे ॥ पेटभार ॥ सोइरदेवानोमन ॥ कूबकीनेव ॥ तेनाउपचार ॥ दीवालीनीलीवीरक्तकणायर
नीलेषणा ॥ तेसुरक्षियां षेत्रपालनोषटकोणनो ॥ यंत्रचिटीअंगुलीनोरुधिर ॥ अष्टगंधकेमध्ये

मेली॥ यंत्रलिखिये॥ पछेमध्यरात्रेंजलाष्ट्य॥ जइनेकायफोगजा॥ नालेर१॥ पान२१॥ सोपारी२१॥ नी
बपत्र२१॥ रक्तवस्त्र सरीरश्रमांण॥ लवंगटांय॥ ग्राहीकांचली॥ दणमंतमली॥ इच्छरमेल॥ तेलयाव
१॥ गुल सेर१॥ तिलवट जोजया॥ नेवेद्यसर्वे॥ जलाश्रय॥ नगनथइने॥ मंत्रभणीने॥ श्रकातिश्रा
निपि२ करी॥ एककेपिलमीपइस्याो२॥ फुलयातिण॥ रुधिरबांटादिजे॥ कोइनदोषनिमपीप
लाना॥ झाडमायातिण॥ यंत्रमंत्रिये॥ धूपगुगलनोदीजे॥ पुरवश्रागलधूपदीपकरीइ॥ षोरष
फनोनिवेद्यकीजे॥ यंत्रकोटिबांधिए॥ पत्रपालनीपूजाकिइए॥ यतेकरीहोमकरी॥ मादली
योगलेबांधीये॥ पथ्यात्रस्थपंतेवति॥ ३॥ उडलगनेबालपणेपत्रपालमाननता॥ ततपर
शाकुनीदोषः॥ तस्यलक्षणः॥ उदरपीडा॥ आंषेबलण॥ सेनानचिंना॥ उकारीबगाडी॥ नित्थवारनो
लइषे॥ पहरदेवानोमन॥ चटपटीउचार॥ फेरा॥ रमतषाजघणीआवे॥ लोहियको॥ षावानीक
चनदी॥ नीलेकोलण॥ तेनोनपचार॥ मांडीयानीबनोतेदनीजक॥ दीवालीनीकरीतेणेकु
रीघंटाकेलश॥ चोत्रविपयोगनियंत्रलिखि॥ अष्टगंधकलुंलिपी॥ पछेमध्यरात्रे॥ झीलश्रमाण॥ रातो
वस्त्र॥ नालेर१॥ कुमषापोचपटागज१॥ सोपारी२१॥ मिस्त्रपाव१॥ षारिकपाव१॥ षोपरापाव१॥
लवंग१॥ सोनाएलचि१॥ जायफल॥ द्रख॥ अगरघइस्या२॥ कंदरुपाव१॥ लोबानगुग
लदधी॥ दध॥ गुल॥ सोन॥ पांचामृतहोम॥ कज्जलीयो॥ नवांनीनेचढावीये॥ चडु॥ नवोक्करा

वीए ॥ समस्तकारणमिटे ॥ ६ ॥ दृष्टिकलगतेः ॥ शाकनीमंमलेपादोषतितः ॥ जलदेवी दोषछे ॥
तेना लक्षण ॥ आंष्यांमीट ॥ अष्टांग दाजे ॥ पेटमेपीटा गनबमाट मणो ॥ जीव वांम नदी ॥ मनको
इ उपरी लागे नदि ॥ आलजंजालघणो नुपजे ॥ लोगघा मनी फेर बोले ॥ हाथपगमस्यो जाय ॥ व
गास्या आवे ॥ लालो मायाफे ॥ अंगदाझे ॥ आंष डुखे ॥ परीरदेवानो मन ॥ कोइनो वचन चुप वन
दी ॥ रीसकरे ॥ माथमगमकोरहे ॥ संतान चिंता ॥ आगमवेउदशअंगमारी ॥ आलश आवे ॥ आ
लशमोहि ॥ तेहनाउपचारः ॥ बेजाफनेलागमादोइ ॥ तेनाजाफनी लषण ॥ करीने शाकनी वे
दकुंदाल यंत्र लिषीये ॥ अष्टंग धकयफ ॥ पद लाइन बेलीनें ॥ पछे रात्रनें समे ॥ यंत्र आगल होम
करवा ॥ तेना हील घमाण सुलना नी बीटनो लेइ ॥ पिण होम करवो ॥ श्रीफल ॥ ते कपुर २ ॥ मिसु
गजा सोपारी २ ॥ मिसरी या व २ ॥ राइ हप ॥ आदि कांचली ॥ चोहटानीरज ॥ वाघम्येर ॥ नवा
घेर ॥ घोपरा ॥ धाम्येर २ ॥ एलचीटाप ॥ घेरव होम करवो ॥ यंत्र आगल मोफीने ॥ स्नाते को
टाना पुतला ३ करवा ॥ एक शाकनी ॥ बीजो दणमंतनो ॥ तीजो जलदेवीनो ॥ एकेका मुषम
थपरलो ॥ फुल मांडीये ॥ घरप कांचली ॥ दणमंतमली ॥ इश्वरमलीयगलिये ॥ चिटी अगुलीनो
लोहीसुं बांटी ॥ वार ७ यंत्र नयरंतुतारिइ ॥ एका तिगानिय ॥ धूप देवीजे ॥ यंत्र काढि बांधिये ॥

सुषं वर्ति ॥ ९ ॥ धनलगने ॥ १ ॥ रगतियां षेत्रपालदोषछे ॥ भैरवदोषछे ॥ तेनालक्षण: ॥ ज्वरस्व
डै ॥ नेत्र दुषे नीलदाके ॥ हाथ फुटणी ॥ घामघणो ॥ अंगभारी ॥ बगासी आवे ॥ संतानचिता स्व
नहषे ॥ चरफकरि ॥ सुवानोमन ॥ अनन्नउपर अरुचि ॥ देहीदाघे ॥ गोडापीडीकडे ॥ माथो फा
टे घणो ॥ नकारी घणी ॥ दांतसुकाय ॥ दांतकडे ॥ दीयाफाटे ॥ षपनघणां देषै ॥ जंजालमें पडे ॥
तेनोउपचार ॥ दीवाली नी रीसे षषाढोलीनी लिषणस्पर्श ॥ अष्टगंधकसुं लिषी ॥ नारशिवनो यंत्र का
पडीरातो गज २ ॥ श्रीफल १ ॥ सोपारी २ ॥ लवंग २ ॥ तेलसेर १ ॥ घृतसेर १ ॥ नेवेद्य सर्व ॥ मेलीमध्यरात्र
समें ॥ पदमासनबेठी मंत्रीजपणीये ॥ यंत्र आगलदोमकरीये ॥ आराना कोडियाउ करावीये ॥ म
ध्यपडस्तो ॥ १ ॥ दक्षणमंतमली ॥ गोरसुत्र पंचवरण रेषु मनोरा करि ॥ दीवट फोरी गौमबारिजाडग
लीये ॥ घर आवी षेत्रपालमांनी ॥ पुजाकरीनेवद्य ऋयत ॥ सुषं वर्ति ॥ १० ॥ मकरलगने ॥ ठ
कनीदोषछे ॥ तेनालक्षण ॥ नेत्रपीडा ॥ वेदना अंगष ॥ बगासी ॥ आलस घणो ॥ देहीकष्ट कु
ड सुइर हवानोमन फेरोजंजालमेंपडे ॥ ऊबकी नवि ॥ तेनो उपचार ॥ कागलनी षोय स्यु
चोलरिवियोगनीयंत्र ॥ अष्टगंधकसुं अरधरात्रे लिषी ॥ आगलिकापडोरातो नीली नीलधमा
णई ॥ श्रीफल ॥ सोपारी २ ॥ लवंग २ ॥ फुल २ ॥ तेलसेर १ ॥ घृतसेर १ ॥ कपुरटां ॥ कस्तुरीटां
केसरटां ॥ लोबानटां ॥ हीगलुटां ॥ पान २ ॥ पडस्तो ॥ फेरवी ॥ यंत्र कंठि बांधिये ॥ सुषं वर्ति ॥